हिन्दू जनजागृति समिति समर्थित ग्रन्थ !

सप्तम 'अखिल भारतीय हिन्दू अधिवेशन'के व्याख्यान : खण्ड १

हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना हेतु हिन्दुओंका संगठन करें !

भूमिका

'हिन्दू राष्ट्रकी स्थापनाके प्रेरणास्रोत परात्पर गुरु डॉ. जयंत आठवलेजी के विचारोंसे प्रेरणा लेकर 'सनातन संस्था' और 'हिन्दू जनजागृति समिति', ये संगठन समविचारी धर्मप्रेमी हिन्दुओंका संगठन कर रहे हैं । इस कार्यमें मीलका पत्थर है वर्ष २०१२ से प्रतिवर्ष गोवामें आयोजित किया जानेवाला 'अखिल भारतीय हिन्दू अधिवेशन' ! हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना हेतु कार्यरत इस व्यासपीठाद्वारा, पूरे भारतके राष्ट्र एवं धर्म प्रेमी संगठन तथा व्यक्ति एकजुट हो रहे हैं । 'हिन्दू अधिवेशन' के भाषणोंद्वारा 'सनातन संस्था' एवं 'हिन्दू जनजागृति समिति'की ओरसे किया जानेवाला दिशादर्शन ग्रन्थरूपमें प्रकाशित करनेपर, वह विषय हिन्दुत्वनिष्ठोंके अध्ययन हेतु सदा उपलब्ध रहेगा', ऐसा विचार परात्पर गुरु डॉक्टरजीने दिया था । उसीके अनुसार उन्हींके मार्गदर्शनमें इस ग्रन्थका संकलन किया गया है ।

इस ग्रन्थमें चार दिवसीय 'अखिल भारतीय हिन्दू अधिवेशन', एकदिवसीय 'हिन्दुत्वनिष्ठ साधना शिविर' एवं चार दिवसीय 'अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र-संगठक प्रशिक्षण एवं अधिवेशन' इन कार्यक्रमोंमें 'सनातन संस्था' एवं 'हिन्दू जनजागृति समिति'के वक्ताओंके चयनित भाषणोंका संग्रह प्रकाशित कर रहे हैं । इन विविध भाषणोंमें हिन्दू राष्ट्रकी मूलभूत अवधारणा, हिन्दू राष्ट्रकी स्थापनाकी दिशा, हिन्दू-संगठनके विविध उपक्रम, धर्मरक्षा हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं साधनाके सन्दर्भमें दृष्टिकोण दिए हैं । हिन्दू राष्ट्रकी स्थापनाका कार्य करनेवाले हिन्दुत्वनिष्ठोंको भाषण करते समय इस ग्रन्थके विचारोंका उपयोग होगा ।

इस ग्रन्थमें अनेक स्थानोंपर 'हिन्दू राष्ट्र-संगठक' शब्द आया है । उसका अर्थ है, 'हिन्दू राष्ट्रकी स्थापनाका ध्येय रख, समविचारी हिन्दुओंका संगठन करनेवाला धर्मप्रेमी ।' यह ग्रन्थ पढकर प्रत्येक धर्मप्रेमी हिन्दू, हिन्दू राष्ट्र-संगठक बने और हिन्दू राष्ट्र-स्थापना हेतु हिन्दू संगठनकार्य गतिमान हो, यह श्रीगुरुचरणोंमें प्रार्थना !' – **संकलनकर्ता**

अनुक्रमणिका

अध्याय १ : सप्तम 'अखिल भारतीय हिन्दू अधिवेशन'के चयनित व्याख्यान

१. सप्तम 'अखिल भारतीय हिन्दू अधिवेशन'का उद्देश्य ११

२. सप्तम 'अखिल भारतीय हिन्दू अधिवेशन'का बीजवक्तव्य – हिन्दू राष्ट्रकी स्थापनाका चिन्तन १३

३. 'सेक्यूलरिज्म' एवं हिन्दू राष्ट्र २०

४. हिन्दू राष्ट्र हेतु लोकतन्त्रकी दुष्प्रवृत्तियोंके विरुद्ध संघर्ष करें ! ३२

५. हिन्दू राष्ट्र हेतु सामाजिक क्रान्तिद्वारा धर्मक्रान्तिकी सिद्धता ! ३७

६. हिन्दू राष्ट्र-स्थापनाकी प्रक्रिया समझ लें ! ४३

७. जातिव्यवस्थाके विषयमें भ्रान्तियां और वस्तुस्थिति ४८

८. शासन अधिग्रहित मन्दिरोंके भ्रष्टाचारके विरुद्ध संघर्ष करें ! ५८

९. आपातकालीन व्यवस्थापन सीखनेकी आवश्यकता ! ६४

१०. सप्तम 'अखिल भारतीय हिन्दू अधिवेशन'का समापन दिशादर्शन ६७

अध्याय २ : 'हिन्दुत्वनिष्ठ साधना शिविर'के चयनित मार्गदर्शक विषय

१. जीवनमें साधनाका महत्त्व एवं हिन्दुत्वका कार्य करनेके लिए साधनाकी आवश्यकता ७१

२. नामजप करनेकी परिणामकारक पद्धति एवं उसका लाभ ८२

३. प्रार्थनाका महत्त्व एवं लाभ ९२

४. अनिष्ट शक्तिकी पीडा एवं आध्यात्मिक उपचार ९६

५. 'हिन्दुत्वनिष्ठ साधना शिविर'का समापन एवं हिन्दुत्वनिष्ठोंकी साधनाकी ब्यौरापद्धति १००

अध्याय ३ : 'हिन्दू राष्ट्र-संगठक प्रशिक्षण एवं अधिवेशन' के विषय

१. 'हिन्दू राष्ट्र-संगठक प्रशिक्षण व अधिवेशन'का उद्घाटन-मार्गदर्शन १०५

२. हिन्दुओंका संगठन करते समय आनेवाली बाधाएं और हिन्दू राष्ट्र-संगठकोंद्वारा किए जानेवाले प्रयास ! १०९

३. हिन्दू राष्ट्र-स्थापना सम्बन्धी जागृतिद्वारा व्यापक संगठन करनेवाला 'हिन्दू राष्ट्र-जागृति उपक्रम' ११८

४. हिन्दू राष्ट्र-स्थापना हेतु हिन्दू-संगठन उपक्रम : महत्त्व एवं उसे आयोजित करनेकी दिशा १२६

५. हिन्दू राष्ट्र-स्थापना हेतु प्रशिक्षण उपक्रम : महत्त्व एवं उसे आयोजित करनेकी दिशा १३०

६. किसी क्षेत्रमें 'हिन्दू राष्ट्र-जागृति बैठक' कैसे लेनी चाहिए ? १३६

७. हिन्दू राष्ट्र-स्थापना हेतु सम्पर्क अभियान कैसे कार्यान्वित करें ? १४२

८. धर्माधिष्ठित हिन्दू राष्ट्र कैसा होगा ? १४५

९. धर्मकार्यमें भावुक कार्यके कारण होनेवाली हानि और ऐसे कृत्य टालनेकी समाधानयोजना १५२

१०. आध्यात्मिक स्तरकी नेतृत्वक्षमताका विकास कैसे करें ? १५८

११. निर्णयक्षमताका विकास कैसे करें ? १६५

१२. नियोजनक्षमताका विकास कैसे करें ? १७०

१३. हिन्दू राष्ट्र जागृतिके लिए 'सोशल मीडिया'के नियोजनबद्ध और संगठित उपयोगका महत्त्व ! १७८

१४. धर्मकार्यका ब्यौरा देनेका महत्त्व एवं लाभ ! १८४

१५. 'हिन्दू राष्ट्र-संगठक प्रशिक्षण व अधिवेशन'का समापन दिग्दर्शन ! १८७

सुसंस्कारी एवं आदर्श पीढीके निर्माण हेतु

Balsanskar.com

हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी एवं कन्नड भाषामें कार्यरत !

'न्यूजमेकर्स'द्वारा पुरस्कृत सर्वोत्कृष्ट दैनिक २०१२

देखें

SanatanPrabhat.org

हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना हेतु

सनातन प्रभात

- **दैनिक** (मराठी – ४ संस्करण)
- **साप्ताहिक** (मराठी एवं कन्नड)
- **पाक्षिक** (हिन्दी एवं अंग्रेजी)
- **मासिक** (गुजराती)

'स्पिरीच्युअल साइन्स रिसर्च फाउंडेशन' नामक ऑस्ट्रेलिया स्थित संस्थाका जालस्थल

www.**SSRF.org**

- **अखिल मानवजातिके लिए उपयुक्त, साधनासम्बन्धी मार्गदर्शन !**
- **हिन्दी, अंग्रेजी, फ्रांसीसी, जर्मन, रशियन, सर्बियन इ. २२ भाषामें उपलब्ध !**

अप्रैल २०१८ तक पूरे विश्वके ४.५३ करोड पाठकोंद्वारा पढा गया !